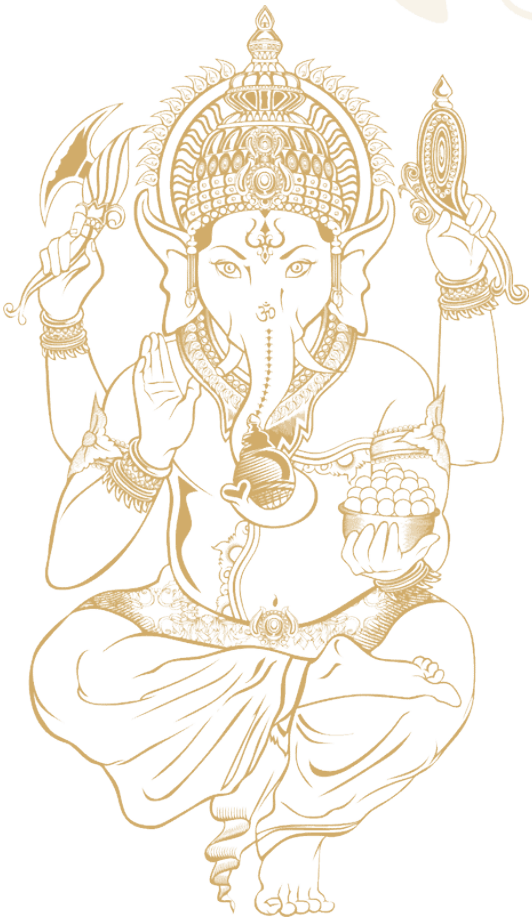

Neeraj vaishnav

08 Oct 1990

12:48 AM

Chipa Board

Model: Lal-Kitab-Report

Order No: 120671301

लाल किताब

बिमारी का बगैर दवाई भी इलाज है, मगर मौत का कोई इलाज नहीं।
ज्योतिष दुनियाबी हिसाब-किताब है, कोई दावाऐ खुदाई नहीं।

Model: Lal-Kitab-Report

Order No: 120671301 Date: 22/12/2025

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**7-08/10/1990**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**00:48:00 घंटे**
इष्ट	46:15:37 घटी
स्थान	**Chipa Board**
राज्य	Rajasthan
देश	India
अक्षांश	24:35:15 उत्तर
रेखांश	76:38:40 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:25 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:24:34 घंटे
वेलान्तर	00:12:02 घंटे
साम्पातिक काल	01:29:16 घंटे
सूर्योदय	06:17:45 घंटे
सूर्यास्त	18:04:42 घंटे
दिनमान	11:46:57 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	20:31:52 कन्या
लग्न के अंश	06:05:57 कर्क

दादा का नाम	
पिता का नाम	
माता का नाम	
जाति	
गोत्र	
चैत्रादि संवत / शक	2047 / 1912
मास	कार्तिक
पक्ष	कृष्ण
सूर्योदय कालीन तिथि	3
तिथि समाप्ति काल	08:20:46
जन्म तिथि	4
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	भरणी
नक्षत्र समाप्ति काल	09:39:48 घंटे
जन्म नक्षत्र	कृतिका
सूर्योदय कालीन योग	वज्र
योग समाप्ति काल	14:52:35 घंटे
जन्म योग	सिद्धि
सूर्योदय कालीन करण	विष्टि
करण समाप्ति काल	08:20:46 घंटे
जन्म करण	बालव
भयात	37:50:32
भभोग	54:17:36
भोग्य दशा काल	सूर्य 1 वर्ष 9 मा 22 दि

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	कर्क	06:05:57	---	--	--	--	नेक
सूर्य	कन्या	20:31:52	सम राशि	--	--	--	नेक
चन्द्र	वृष	05:58:20	मूलत्रिकोण	--	--	--	नेक
मंगल	वृष	19:38:36	सम राशि	--	--	--	नेक
बुध	कन्या	09:52:22	उच्च राशि	--	--	--	मन्दा
गुरु	कर्क	15:36:52	उच्च राशि	--	--	--	नेक
शुक्र	कन्या	14:07:22	नीच राशि	--	--	--	मन्दा
शनि	धनु	25:08:55	सम राशि	--	हाँ	--	मन्दा
राहु	व मकर	10:47:55	मित्र राशि	--	--	--	मन्दा
केतु	व कर्क	10:47:55	मित्र राशि	--	--	--	नेक

भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	--	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	हाँ	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	--	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	हाँ	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	हाँ	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	--	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	--	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	हाँ	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	--	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	हाँ	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	--	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	हाँ	शुक्र,केतु	बुध,राहु

लग्न कुंडली

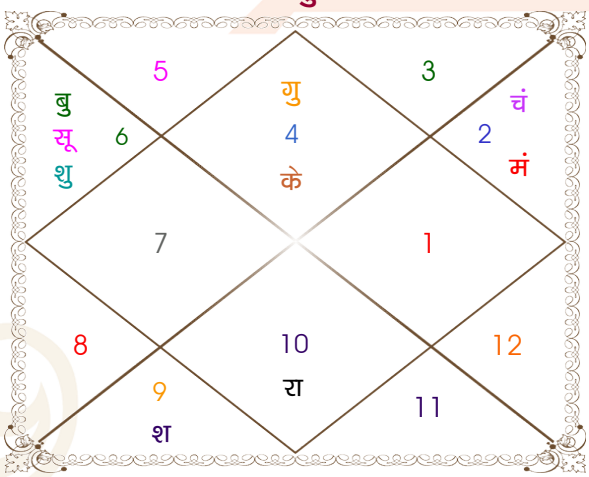

लालकिताब कुंडली

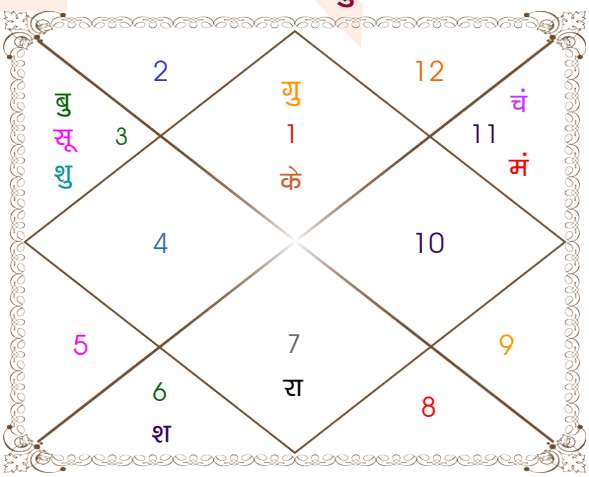

लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली में तीसरे खाने में सूर्य है। इसकी वजह से आपको परिवार की अधिक जिम्मेदारियों का बोझ पता चलता है और आपकी बहादुरी का आभास भी मिलता है, अर्थात् आप दूसरों की मदद जहां तक कर सकते हैं करेंगे तथा दूसरे लोगों के बर्ताव में आप जहां तक बहादुरी प्रकट करते हैं, करेंगे। आपके घर में आराम के पूरे साधन होंगे। आप उत्साही और फुर्तीले व्यक्ति हैं। आपकी दृष्टि की शक्ति अच्छी है। आप अपने घर में रखे पिस्तौल, बंदूक हथियार आदि सावधानी से रखें। आपके भाई-बंधु और रिश्तेदारों की आर्थिक दशा अच्छी रहेगी। आप अधिक धन खर्च करेंगे। आपके भाई-बहन कई होंगे। आपके साले की आर्थिक हालत अच्छी रहेगी। साले से अच्छा संबंध रहेंगे और उससे लाभ होगा। आप बाग-बगीचा और फलदार वृक्ष लगाएंगे। युवावस्था में आपको कलह से दूर रहना चाहिये। जवानी में बहुत तरक्की करेंगे। गणित और ज्योतिष विद्या में रुचि, सरकारी विभाग से लाभ, मुकद्दमें में जीत होगी।

यदि आपने परिवार वालों से झगड़ा किया, समाज में लोगों को गुमराह किया, ससुराल वालों को तंग किया तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से आपके घर में चोरी या बीमारी की आशंका रहेगी। आपके शत्रु भी अधिक होंगे। आपकी किस्मत मे उतार-चढ़ाव भी आ सकता है। आपके घर का मुख्य दरवाजा दक्षिण दिशा होना अशुभ है। आपका धन आपकी आंखों के सामने चोरी हो सकता है। ननिहाल पर मंदा असर रहेगा। बिना लिखा-पढ़ी के आर्थिक लेन-देन से अशुभ फल होंगे।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :
1. चोरी के माल से दूर रहें।
2. बुरे काम न करें।

उपाय :
1. माता-दादी का आर्शीवाद लेवें।
2. परस्त्री से अनैतिक संबंध न रखें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली में चंद्रमा ग्यारहवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से विद्या का पूरा लाभ उठायेंगे जो आगे आने वाले समय में शुभ रहेगा। अगर आप रात्रि समय विद्या पढ़ें तो लाभ हो सकता है। आपके पास सुख के सब साधन उपलब्ध रहेंगे। सत्ता का श्रेष्ठतम फल प्राप्त होगा। 32 वर्ष की उम्र तक लगातार धन आता रहेगा। आपको स्त्रियों का सहयोग मिलेगा और स्त्री से लाभ प्राप्त होगा। आमदनी में बरकत होगी।

यदि आपने शुक्रवार विवाह किया या रात्रि समय विवाह के फेरे लिए, प्रभात समय दान दिया या लिया, बुधवार को नया काम शुरु किया, शनिवार मकान मशीनरी खरीदी तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से विद्या में रुकावट आयेगी। संतानोत्पत्ति में बाधा होगी या आपको पुत्र प्राप्ति में बाधा आ सकती है। कामशक्ति की दुर्बलता रहेगी (कामशक्ति में कमजोरी के समय किसी वैद्य की सलाह से सोना युक्त दवाईयां या दूध से बनी चीजों का इस्तेमाल करें)। आपकी माता देर से आपके पुत्र का सुख देखेंगी। आपकी स्त्री को जब बच्चा पैदा होने वाला हो तो आपकी माता वहां से कहीं और चली जाएं या आपकी स्त्री अपने मायके में बच्चा पैदा करे। आपकी माता जन्म के बाद आपके बच्चे को 43 दिन तक आखों से न देखें या हाथों में न उठायें कर तो आपकी माता और आपके बच्चे की लम्बी आयु रहेगी वरना एक की आयु क्षीण हो जाएगी। आपका या आपकी माता की आंखों के आप्रेशन का भय है। आपके दादी-माता से अधिक मधुर संबंध नहीं रहेगे। आप दुश्मन से परेशान रहेंगे। आपके जीवन में उत्थान-पतन के भी योग आ सकते हैं। आपके भाई-बंधु एवं संपत्ति पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. विद्या अधूरी न छोड़ें।
2. चाल-चलन ठीक रखें।

उपाय :

1. भैरों मंदिर में दूध चढ़ावें या मजदूर पेशा आदमी को दूध पिलायें।
2. माता का स्वास्थ्य खराब हो तो 11-11 खोये के पेड़े 11 बच्चों मे बांटें।
3. घर में छत के नीचे नदी का पानी रखें।

मंगल

आपकी जन्मकुंडली में मंगल ग्यारहवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप न्यायप्रिय, साहसी, पशुपालक, व्यापारी होंगे। आपका स्वास्थ्य उम्दा रहेगा। अपनी किस्मत स्वयं बनाने वाले होंगे। आप अधिक लाभ प्राप्त करेंगे। आपके जीवन में आपकी 28वें वर्ष से लगातार 42वें वर्ष तक की आयु तक खूब धनागम होगा। आर्थिक दशा में राजा के समान होंगे। आपके भाग्य के कारण छोटी उम्र में ही पिता के घर धन का भंडार लग जायेगा। आपका व्यवसाय या नौकरी ऊंचे दरजे की होगी। आपको पुत्र-पौत्र का सुख मिलेगा। आपके जीवन में बुरा असर कम पड़ेगा। कई प्रकार से आमदनी का स्रोत होगा। अपनी कमाई से भूमि-भवन प्राप्त करेंगे। आपको शत्रुओं को दबा कर रखना पड़ेगा। आपको सुख-सुविधाओं की कमी नहीं रहेगी। फकीरी वेश-भूषा में रह कर भी आपकी आध्यात्मिक शक्ति अच्छी होगी।

यदि आपने माता-पिता, संबंधियों से झगड़ा किया, भाई-बन्धुओं से जमीन जायदाद के लिये मुकद्दमा किया, किसी से काम करवा कर उसका मेहनताना नहीं दिया तो आपका

मंगल मंदा हो सकता है या किसी कारण वश मंगल मंदा हो गया हो तो मंगल के मंदे असर से भाई-बंधुओं से जमीन-जायदाद, धन संबंधी झगड़े का भय रहेगा। अगर आपका चाल-चलन ठीक न रहे तो आमदनी होते हुये भी कर्जदार होंगे, संपत्ति बर्बाद होगी। आपके बच्चे झगड़ालू होंगे या परिवार में बच्चा गोद भी लेना पड़ सकता है। उसके आगे के जीवन में कुछ भी बुराइयां नहीं रहेंगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. भाई-बंधुओं पर भरोसा न करें।
2. कुत्ते को चोट न मारें।

उपाय :

1. जीजे-साले-भांजे या दोहते की सेवा करें।
2. मिट्टी के बर्तन में शहद या सिंदूर भर कर घर में रखें।

बुध

आपकी जन्मकुंडली में बुध तीसरे खाने में है। इसकी वजह से सदैव यात्रा करेंगे। चिकित्साकार्य में यश के भागी बनेंगे। मित्र एवं संबंधियों का सहयोग प्राप्त होगा। मिश्रित रूप से उत्तम फल प्राप्ति के योग हैं। आप सगे संबंधियों के अतिरिक्त अन्य लोगों के लिए शुभ हैं। आपके संपर्क के लोगों को लाभ प्राप्त होगा। आपको धन के लिए उत्तम फल प्राप्त होते हैं। आप फलों के काम, कृषि कार्य, कांसे के बर्तनों का काम तथा पशु पालन कार्य से लाभ प्राप्त करेंगे। संतान एवं मातृपक्ष के परिवारों के लिए आप लाभदायक हैं। आप में दमा के रोगी को ठीक करने की कला है। आप व्यापार में प्रगति करेंगे। आप लड़ाई-झगड़े से परहेज करेंगे तथा आप लड़ाई-झगड़े का दुःसाहस भी नहीं करेंगे। यद्यपि आप भयातुर नहीं रहेंगे। बुरे कार्यों से तटस्थ रहने का प्रयास करेंगे। किसी कार्य को प्रारंभ करने में अनेक विचार उत्पन्न होंगे तथा निर्णय लेने में सहायता की अपेक्षा करेंगे। आप अपनी बुद्धि का प्रयोग करने में भी संकोच नहीं करेंगे।

यदि आपको मूंग खाने का शौक हुआ, बुआ-बहन-लड़की का धन उपयोग किया, चौड़े पत्तों का वृक्ष आपके घर में हुआ, घर का दरवाजा दक्षिण दिशा में हो तो आपका बुध मंदा हो सकता है या किसी कारण वश बुध मंदा हो गया हो तो बुध के मंदे असर से आपका जीवन धूमिल है। आपको भाई-बहन का सुख कम प्राप्त होगा। भाई-बहन से झगड़ा हो सकता है। आपकी भाग्योन्नति में अवरोध उत्पन्न होते रहेंगे। संतान-सुख विलंब से मिलेगा। जुबान में तोतलापन आ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :
1. बुआ-मामा से झगड़ा न करें।
2. चौड़े पत्तों का वृक्ष घर में न लगावें।

उपाय :
1. दुर्गा पूजन या कन्याओं की सेवा करें।
2. तोता पालें या तोते को चूरी खिलायें।

गुरु

आपकी कुंडली में वृहस्पति पहले खाने में पड़ा है। जिसकी वजह से आप एक पढ़े-लिखे या उपदेशक या गुरु भी हो सकते हैं। आप विद्वान, अच्छी बुद्धि के संतानयुक्त, शासन द्वारा सम्मान पाने वाले बड़प्पन से युक्त होंगे। विद्या के माध्यम से अपनी आजीविका चलाऐंगे। पैतृक धन से भी धनी होंगे। यदि आपकी शिक्षा कम भी हो तो फिर भी धन आपको प्राप्त होता रहेगा। आप पैसे की वजह से नहीं, करामाती गुण से सम्मान पाएंगे। आप ऊंचे लोगों के साथ रह कर अपनी दिमागी शक्ति और राजदरबार से संबंधित रह कर, सम्मान प्राप्त करेंगे। शादी के बाद आपकी अर्थिक स्थिति अच्छी हो जाएगी और भाग्योदय होगा। आप अपनी कमाई से नया मकान बनवाएंगे। आपको बहुत जायदाद का लाभ होगा। आप स्वस्थ और प्रसन्न रहेंगे। उम्र बढ़ने के साथ-साथ सुख में भी वृद्धि होगी। आपकी पत्नी आपकी आज्ञाकारिणी और सेविका रहेगी।

यदि आपने विद्या अधूरी छोड़ दी, लोगों की व्यर्थ निंदा की, मुफ्त माल, दान आदि से जीवन व्यतीत करना शुरु किया, छोटी आयु में शराब-बीयर पीना शुरु कर दिया तो आपका वृहस्पति मंदा हो सकता है या किसी कारण वश वृहस्पति मंदा हो गया हो तो वृहस्पति के मंदे असर से अप्रत्याशित घटनाओं एवं अव्यवस्था से सतर्क रहें। विद्या में रुकावट हो सकती है, आपके पिता की मौत दमा या दिल की बीमारी या मानसिक रोग से हो ऐसी आशंका है। आपको श्वास या दमे की बीमारी होगी। प्रथम पुत्र संतान की प्राप्ति से अशुभ फल प्राप्त होने की आशंका है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :
1. मुफ्त गिफ्ट या दान न लेवें।
2. किस्मत पर भरोसा रखें।

उपाय :
1. केसर/हल्दी का तिलक करें।
2. बुजुर्गों का आशीर्वाद लेवें।
3. शिक्षा बी.ए. या समकक्ष अवश्य पढ़ें।

शुक्र

आपकी जन्मकुंडली के तीसरे खाने में शुक्र पड़ा है। इसकी वजह से आपके घर में कभी चोरी नहीं होगी। आपकी पत्नी सच्चरित्र होंगी और आप स्वयं भाग्यवान रहेंगे। पत्नी जीवन भर आपका साथ निभाएगी। आप अपनी पत्नी से दब कर रहेंगे। आपकी संतान अधिक होंगी। आपको तीर्थ यात्राएं बहुत करनी पड़ेंगी। आप सभी के प्यारे होंगे। धन का व्यय अधिक करेंगे। कभी-कभी अधिक लाभ भी होगा। आपकी पत्नी आपके सभी कार्यों में हाथ बटाएंगी या पत्नी के नाम से किये कार्यों से लाभ प्राप्त होगा। स्त्री, लक्ष्मी, गाय की सेवा से अच्छा फल प्राप्त होगा। आप दूसरी औरत पर आशिक होंगे। शत्रु आपका नुकसान नहीं कर सकेगा। कोई भी औरत आप पर मोहित हो सकती है। आपको कम परिश्रम करके ही रोटी नसीब हो जाएगी। आपकी आमदनी अच्छी होगी। आप सभी सुख-सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु सुख की नींद नहीं सो सकेंगे। माता-पिता का सुख लंबे समय तक मिलेगा। आपकी पत्नी कमाऊ होंगी जो आपके कंधे से कंधा लगाकर मुसीबत में साथ देगी।

यदि आपने एक से अधिक स्त्रियों से संबंध रखे, बुजुर्गी घर के मुख्य दरवाजे की दहलीज को नष्ट किया, राग-रंग में रुचि रखी तो आपका शुक्र मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शुक्र मंदा हो गया हो तो शुक्र के मंदे असर से आपका कई स्त्रियों से संपर्क रहेगा। आप अपनी पत्नी का क्रोध एवं साहस देख कर हैरान होते होंगे। आपके जीवन में भवन सुख दूषित है। यदि मकान बनाएं भी तो वह घर उजड़ सकता है। माता के सुख में बाधा है यदि आपकी आयु के 34वें वर्ष तक मां जीवित रहेंगी तो उनकी दीर्घायु होगी। आप दुःखी लोगों और मुसीबतों से घिरे रहेंगे। धन-दौलत, उम्र बढ़ने के साथ-साथ घटती जाएगी। यदि सौतेली माता हुई तो उससे कोई लाभ नहीं होगा। ससुराल पक्ष से यदि कोई साझेदारी करें या वे लोग आपके काम में सहयोग करें तो हानि होगी। आपके भाई-बंधुओं के हाथों धन की हानि होगी। पैतृक संपत्ति आपके काम नहीं आएगी। आपके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. बुजुर्गी घर की दहलीज को खराब न होने देवें।
2. राग-रंग में रुचि न रखें।

उपाय :

1. स्त्री की सेवा करें।
2. मंगल की चीजों का प्रयोग करें।

शनि

आपकी जन्मकुंडली के छठे खाने में शनि पड़ा है। इसकी वजह से आपको 28 वर्ष की उम्र में या 28 वर्ष की आयु के बाद विवाह लाभदायक होगा अन्यथा मां, पत्नी, संतान पर मंदा असर रहेगा। आप खेल में रुचि रखने वाले या प्रसिद्ध खिलाड़ी भी हो सकते हैं। आपकी

पत्नी सुखी रहेगी। आपकी उम्र के 34 से 41 वर्ष के बीच कोई संतान पैदा हो तो आपके जीवन और घर का कायाकल्प हो सकता है। आपको यात्रा से लाभ मिलेगा। आपका चरित्र उत्तम होगा। आपका परिवार सुखी रहेगा। धन-लक्ष्मी की प्राप्ति होती रहेगी। आप गुप्त कार्य करने के आदी हो सकते हैं। संतान आपके भाग्य के लिए बड़ी ही शुभ और अनुकूल होगी।

यदि आपका घर बंद गली में हुआ, धर्म मंदिर से जूता बदला, पूर्णिमा को नया काम शुरु किया, चमड़े-लोहे का सामान मुफ्त लिया तो आपका शनि मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शनि मंदा हो गया हो तो शनि के मंदे असर से आपका छोटा भाई आप से शत्रुता करे, ऐसी शंका है। परंतु अंत में वह दुश्मनी को भुला कर दोस्त बन जाएगा। शराब-मांस, अंडे का भोजन करने से हानि होने की आशंका है। आप लड़ाई-झगड़े से परेशानी में पड़ सकते हैं। आपके ताऊ, बड़े भाई या मामा को नेत्र रोग या आंखों की हानि हो सकती है। आपकी पत्नी और माता को कोई कष्ट होने की आशंका है। शराब-कबाब और औरतों के चक्कर में मुकद्दमा/पुलिस या साहूकारी अड़चने आ सकती हैं। आपको गुर्दे या पथरी के रोग का भी भय है। आपकी मृत्यु दुर्घटना से हो सकती है। आपकी नौकरी व्यापार में अचानक बाधाएं आ सकती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. धर्म स्थान से जूता चोरी न हो इसका विघेष ध्यान रखें।
2. लोहे का नया सामान न खरीदें।

उपाय :

1. काले कुत्ते की सेवा करें।
2. सांप को दूध पिलावें।

राहु

आपकी जन्मकुंडली के सातवें खाने में राहु पड़ा है। इसकी वजह से 21 वर्ष के पहले या 29वें वर्ष विवाह हो जाए तो बुरे फल की आशंका बनती है। आपका संबंध राजनीतिज्ञों से रहेगा। अगर आप सरकारी विभाग में सेवारत हैं तो सरकारी विभाग में पदोन्नति एवं पुरस्कार मिलने की आशा है। धन और मान-प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। आप बिजली के काम, पुलिस या जेल विभाग की नौकरी से आजीविका चला सकेंगे। शेयर/लाटरी में दिवालिया हो सकते हैं। आपको कन्या संतान का सुख विवाह के बाद जल्द ही परंतु पुत्र सुख में विलंब हो सकता है। विदेश की यात्रा भी हो सकती है। आप जन्म स्थान से बाहर रह कर ही सुखी रह सकेंगे। यदि आप अपने धन पर नियंत्रण नहीं रख सके तो सगे-संबंधी निश्चित रूप से धन की क्षति करने में पीछे नहीं रहेंगे।

यदि आपने अपने पास दोहता रखा या कुत्ता पाला, समाज में बदनामी के कार्य किये, पत्नी से मार-पीट की तो आपका राहु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश राहु मंदा हो

गया हो तो राहु के मंदे असर से भाई-बन्धु आपकी संपत्ति खा जाएंगे। भाई द्वारा भी आपके धन का दुरुपयोग हो सकता है। आपको साझेदारी के व्यवसाय, बिजली के सामान की दुकानदारी या व्यवसाय से हानि की आशंका है। पुलिस, जेल विभाग की नौकरी में धोखा-धड़ी की तो आपकी आयु क्षीण होगी। पत्नी से मन-मुटाव रह सकता हैं इसका कारण आपका शंकाग्रस्त रहना बताता है। पत्नी से जुदाई मुकद्दमेबाजी हो ऐसी शंका है। आपको राजदरबार से परेशानी या काम काज में रुकावट नहीं आएगी। आपके जीवन में आपकी बदनामी भी हो सकती है। जीवन में संघर्ष रहेगा। पारिवारिक दशा बहुत अच्छी नहीं रहेगी। धन-संपत्ति एवं पत्नी के सुख में अभाव रह सकता है। कोई गर्भपात संभव है। पत्नी को सिरदर्द की बीमारी रहेगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. घर में कुत्ता न पालें।
2. बिजली, पुलिस व जेल विभाग में काम न करें।

उपाय :

1. घर में 2 चांदी की ईंटें कायम करें।
2. नारियल का दान करें।
3. चांदी की डिब्बी में चांदी का चौरस टुकड़ा रख कर गंगा जल भर कर रखें।

केतु

आपकी जन्मकुंडली में केतु पहले खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप सुखी, धनी, मेहनती होंगे। आपकी तरक्की अधिक तबदीली कम रहेगी। आप अपने पिता के लिए वरदान सिद्ध होंगे। आप पिता की सेवा करेंगे। आप सरकारी विभाग में सेवारत होंगे तो एक अच्छे सरकारी आफिसर हो सकते हैं। यात्रा का आदेश पत्र प्राप्ति के बावजूद यात्रा न होगी। आपकी आजीविका निरंतर चलती रहेगी। आपका जन्म ननिहाल या अस्पताल में भी हो सकता है। आपको शक्ति मिलेगी। आपके भाग्य में शुभ फल प्राप्त होगा। पत्नी का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। माता पर भी अच्छा प्रभाव ही रहना चाहिए। परंतु यह कोई जरूरी नहीं है कि माता पर शुभ प्रभाव ही पड़े। आप लाखों का लेन-देन करेंगे परंतु धन जमा होने में आशंका है। आप गुरु-पिता के सेवक होंगे।

यदि आप अपने पिता से दूर रहे, रिश्तेदारों को बर्बाद करने की कोशिश की या मकान को बिना कारण बेचा तो आपका केतु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश केतु मंदा हो गया हो तो केतु के मंदे असर से जहां आपका जन्म होगा रिश्तेदार तबाह हो जाएंगे। आपके मन में काल्पनिक फिक्र पैदा हो सकती है। पुत्र को कोई कष्ट उत्पन्न होगा। आप पर बुरा असर पड़ सकता है। आपकी गृहस्थी पर कुछ बुरा प्रभाव पड़े ऐसी आशंका है। नाभि के नीचे की बीमारियां होंगी या आपको गुप्तांग में बीमारी हो सकती है। आपको लंबी या विदेश की यात्रा

बीच में छोड़ कर वापिस आना पड़ सकता है। आपको संतानोत्पत्ति की चिंता बनी रहेगी। पोते के जन्म के बाद सेहत खराब हो सकती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. बकरी न पालें या बकरी की सेवा न करें।
2. गली के आखिरी मकान में रिहाईश न करें।

उपाय :

1. लाल रुमाल पास रखें।
2. काले-सफेद कुत्ते की सेवा करें।

लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुँडली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुँडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उधृत किए जाते हैं।

स्वऋण

ग्रहचाल :

जब जन्मकुंडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया :

आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकदमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं :

जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति-रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

निष्कर्ष

आपकी पत्री स्वऋण से मुक्त है।

मातृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानिया :

जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते है। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालना खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का अपव्यय आदि अशुभ फल होते है।

घटनाएं :

मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख-दुःख का ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता हैं। मातृ ऋण वाले जातक

के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी-नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

निष्कर्ष

आपकी पत्री मातृऋण से मुक्त है।

पारिवारिक ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानिया :

किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नीव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

घटनाएं :

जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्री पारिवारिक ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध है (जैसे जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) सबसे बराबर-बराबर धन लेकर आपके शहर/गांव के चौक में बैठे कारीगर, हकीम/डाक्टर को उसका काम बढ़ाने के लिये वह धन दान स्वरूप दे दें।

कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :

जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानिया :

जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्मय आदि काम करना।

घटनाएं :

जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन-दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम ससुराल-ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षात में घाटा हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्री कन्या बहन के ऋण से मुक्त है।

पितृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानिया :

कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना। पीपल का पेड़ होना आदि।

घटनाएं :

परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए। बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी करतुतो का कलंक लगना आदि घटनाएं होती है।

निष्कर्ष

आपकी पत्री पितृऋण से मुक्त है।

स्त्री ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है।

निशानिया :

परिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना। दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत का उसूल चलता होगा। मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि।

घटनाएं :

नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमडड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात दूसरा विवाह होना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्री स्त्री ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर गऊ शाला में 100 गायों को चारा खिलाएं (उसमें कोई भी गाए अंगहीन न हो) आदि।

निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :

जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानिया :

मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमें लड़ना आदि।

घटनाएं :

संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिढ़ियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्री निर्दयी ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई का परिवार चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर सौ अलग-अलग स्थानों की मछलियों को खाना खिलाना चाहिए।

आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य या शुक्र या दोनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।

निशानिया :

बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों-करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी-ठगी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा-मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढ़ेर या गन्दगी हो।

घटनाएं :

मुकदमें में फैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालो की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्री आजन्मकृत ऋण से मुक्त है।

ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानिया :

कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बिमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो जाना आदि।

घटनाएं :

किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्री ईश्वरीय ऋण से मुक्त है।

लाल किताब वर्षफल 2025-2026

वर्त्तमान आयु - 36
वर्त्तमान दशा – शनि

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	नेक
चंद्र	--	--	--	नेक
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	--	--	नेक
गुरु	--	हाँ	--	नेक
शुक्र	--	--	--	नेक
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	हाँ	--	मन्दा
केतु	--	हाँ	--	मन्दा

भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	हाँ	हाँ	हाँ	--	--	--	हाँ	--	--	हाँ	हाँ

वर्ष कुंडली 2025 – 2026

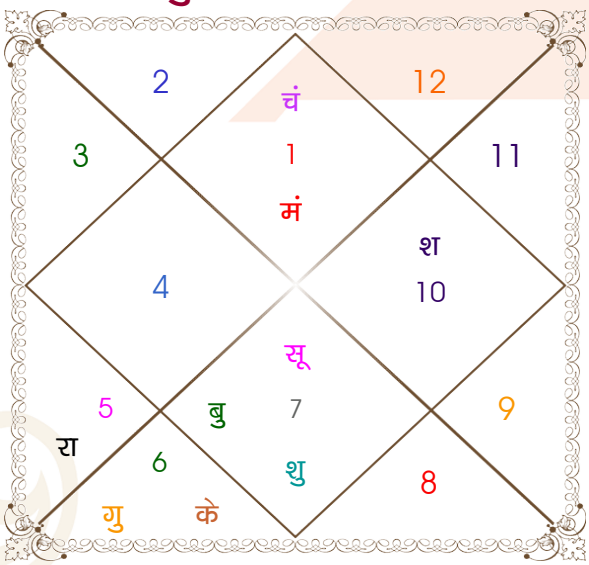

वर्ष चन्द्र कुंडली 2025 – 2026

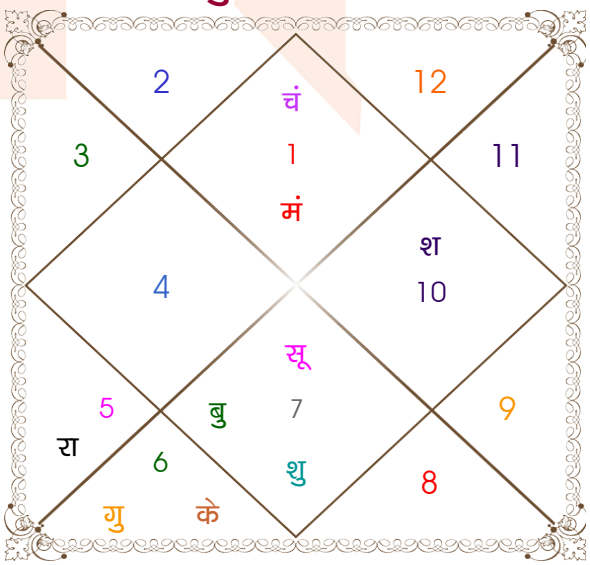

लाल किताब वर्षफल 2025-2026

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 7 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके माता-पिता की हालत में सुधार होगा आपकी गिनती एक सम्मानित व्यक्तियों में होगी। कारोबार और परिवार में तरक्की होगी, भागीदारी के कामों में लाभ मिलेगा। ज्योतिष या कर्मकांड में रूचि रहेगी। कष्ट के समय आप अपने परिवार में रहेगे जिससे आपके कष्टों का निवारण हो जाएगा।

सूर्य की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. अगर दुकानदारी या प्राइवेट नौकरी करते है तो मिजाज गर्म न रखें।
2. सरकारी अधिकारी हैं तो गर्म मिजाज रखें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष सुंदर और सफेद कपड़े पहनने का शौक रहेगा, विद्या से लाभ, किसी की अमानत आपके पास रह सकती है माता-पिता की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी, कभी यात्रा पर जायें तो यात्रा से वापस आकर माता के चरण स्पर्श करके आशीर्वाद लेने से लाभ होगा। परिवार में बहुत देर बाद किसी के पुत्र संतान होगी।

चंद्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक और अनैतिक संबंध न रखें।
2. माता या माता समान स्त्री से झगड़ा न करें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष साहसी और शूरवीर बनेंगे, बुरे व्यक्ति के साथ भी नेकी का सलूक करेंगे, बड़े बहन-भाई से लाभ मिल सकता है। दूसरे व्यक्ति द्वारा की गई नेकी को सदा याद रखेंगे। परिवार और समाज को सच्चाई और नेकी की राह पर चलने की सलाह देंगे, लोहा/लकड़ी, मशीनरी आदि के कामों से लाभ मिलेगा।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बिना मेहनत का माल, दान या गिफ्ट न लेवें।
2. हाथी दांत कायम करें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 7 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष परिवार में सम्मान मिलेगा, विदेश यात्रा या विदेश से लाभ का योग है। स्त्रियों से सम्बन्धित कामों से या पत्नी से लाभ मिलेगा। कपड़े, डाक्टरी के कामों से अधिक लाभ मिल सकता हैं। आपकी कलम में तलवार से भी अधिक ताकत होगी। बेटी-बहन, बुआ-साली से लाभ मिलेगा।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बिना सींग वाली गाय या बकरी घर में न रखें।
2. हरी घास घर में न लगावें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 6 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष नकद धन की कमी नहीं होगी। हर चीज़ बिना मांगे आपको मिल सकती है। कम मेहनत अधिक लाभ। शत्रु अपने आप नष्ट हो जाएगें या शत्रुओं पर आपकी जीत होगी, बुजुर्गों के नाम पर दान करेंगे या धर्मार्थ चीज़े बनवायेंगे। हर समय अपने कामों को निपटाने के लिये ध्यान देना पड़ेगा।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. कर्ज/दान या गिफ्ट न लेवें या भीख न मांगे।
2. आवारा न घूमें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 7 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष मकान-वाहन का सुख मिलेगा। काले रंग की स्त्री का साथ, आपका भाग्य को जगाने और आपकी तरक्की में सहायक हो सकती है। विवाह से संबंधित चीजों के कारोबार से लाभ मिले। जदद्ी घर से दूर जाना पड़ सकता है। पत्नी-माता में मां-बेटी जैसा संबंध रहेगा। पत्नी सुशीला और सेवा करेगी।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. सफेद गाय की पालना या सेवा न करें।
2. बिल्ली की जेर चमड़े के पर्स में न रखें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 10 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष सरकारी विभाग या सरकार द्वारा लाभ मिलेगा। इस वर्ष का हर दसवां दिन और दसवां महीना आपके लिये शुभ और लाभकारी है। धर्मात्मा होना आपके लिये ठीक नहीं रहेगा। स्थायी कामों अर्थात एक जगह बैठ कर करने वाले कामों से मान-सम्मान बढ़ेगा और अधिक धन लाभ मिलेगा।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. मादक द्रव्यों/चीजों का प्रयोग न करें और मछली न खायें।
2. भाग-दौड़ के काम न करें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 5 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष विद्या संबंधी कामों में परेशानी, पत्नी से झगड़ा-तलाक या जुदाई तक हो सकती है जो आगे चल कर आपको कष्टकारी बनेगी। दूसरी पत्नी से संतान सुख नहीं मिलेगा इसलिये पत्नी से संबंध विच्छेद न करें। पहली संतान (लड़के) का सुख शक्की है, भाई अमीर निःसंतान या उसे संतान की चिंता रहेगी।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. शुद्ध चांदी का ठोस हाथी चांदी की प्लेट पर खड़ा करके घर में रखें।
2. बुजुर्गी मकान की दहलीज के नीचे चांदी की पत्ती लगाएं।
3. अपनी पत्नी से दो बार विवाह (फेरे) करें (पुत्र सुख के लिए)

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 6 में है जिसकी वजह से आपका इस वर्ष सोना न बिके और न ही गुम हो, खासकर विवाह समय मिली सोने की अंगूठी। यात्रा से हानि हो ऐसी आंशका है। चमड़ी, पांव में कष्ट हो सकता है। फिजूल खर्च बढ़ने की संभावना है। मामा को कष्ट का भय, संतान सुख की चिंता। शत्रु अकारण उभरेंगे और उनसे हानि का भय रहेगा।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. केसर/हल्दी का तिलक करें।
2. शुद्ध सोने की अंगूठी बांये हाथ की अनामिका अंगुली में पहनें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- शुद्ध चांदी का ठोस हाथी चांदी की प्लेट में रखकर घर में स्थापित करें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)

लाल किताब वर्षफल 2026-2027

वर्त्तमान आयु - 37
वर्त्तमान दशा – शनि

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	हाँ	--	--	मन्दा
चंद्र	--	--	--	नेक
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	हाँ	--	--	नेक
गुरु	--	--	--	नेक
शुक्र	हाँ	--	--	नेक
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	--	--	मन्दा
केतु	--	--	--	नेक

भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	हाँ	हाँ	--	हाँ	हाँ	--	हाँ	हाँ	--	हाँ	--

वर्ष कुंडली 2026 – 2027

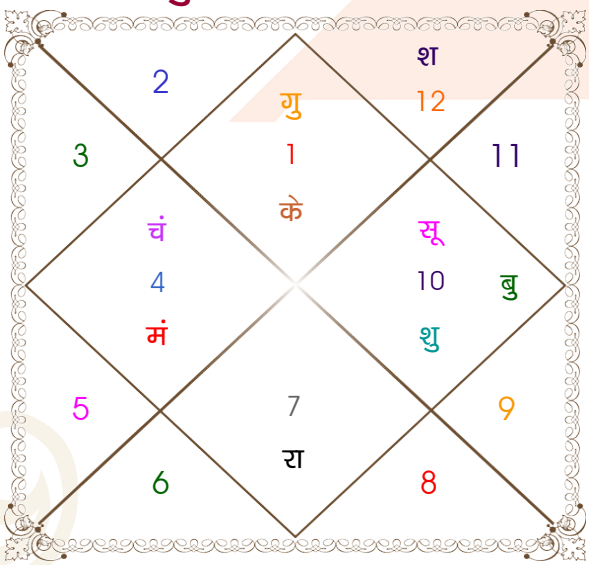

वर्ष चन्द्र कुंडली 2026 – 2027

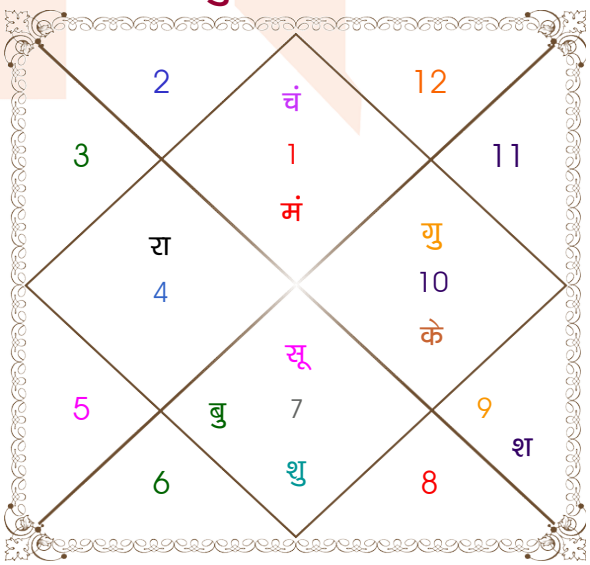

लाल किताब वर्षफल 2026-2027

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 10 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आप अपना भेद किसी को न बतायें आपका भेदी ही आपको तबाह करने की कोशिश कर सकता है, मशीनरी, लकड़ी के कामों में हानि हो सकती है। कोयला-बिजली के कामों में अधिक लाभ नहीं मिलेगा। पिता का सुख कम या पिता से लाभ न मिलेगा। आंखों में कष्ट का भय है।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. पैतृक मकान में हैंड पंप लगावें।
2. सिर पर सफेद-शरबती, टोपी पहनें या पगड़ी/स्कार्फ बांधें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 4 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आप राजसी ठाट-बाट भोगेंगे या समय सूखपूर्वक गुजरेगा, समुद्री सफर या समुद्र से संबंधित कामों से लाभ होगा। कार्य करने से पहले किसी व्यक्ति की सलाह लेकर कार्य शुरू करना शुभ रहेगा। कोई अमानत आपके पास रख कर जाएगा वह उसे वापिस लेने नहीं आयेगा या अचानक धन-लाभ होगा।

चंद्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. माता या माता समान स्त्री से झगड़ा न करें।
2. दूध-पानी का व्यापार न करें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 4 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष सुख के साधनों से सुख नहीं मिलेगा। माता, नानी-सास और पत्नी से लाभ मिलेगा, गृहस्थ जीवन सुखमयी व्यतीत होगा, संतान की चिंता रहेगी, मेहमानों का आपके घर में आना-जाना लगा रहेगा। मकान/वाहन का सुख मिलेगा। दूसरों को नसीहत दे कर उनको सन्मार्ग पर लाने के लिए प्रत्यनशील रहेंगे।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. दक्षिण दिशा के मुख्य द्वार के मकान में रिहाईश न करें।
2. काले-काने, अंगहीन, निःसंतान व्यक्ति से संबंध न रखें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 10 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष विदेश यात्रा या विदेश से सम्बन्धित कामों से लाभ मिलेगा, बुआ,बेटी,,साली,बहन की तरफ से खुशी मिलेगी। आप लोगों से व्यवहार कुशल, खुशामद और नीति के द्वारा सब काम निकलेंगे, अनेक विद्याओं में रुचि, आपके परिवार की और आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी हो जाएगी।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. हरा रंग निषेध
2. तुलसी, मनी प्लांट आदि चौड़े पत्तों के पेड़-पौधे घर पर न लगावें।
3. शराब आदि न पियें। मछली न खायें और मछली का शिकार न करें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पढ़ने-पढ़ाने में रुचि या विद्या सम्बन्धित कामों से लाभ मिलेगा। आपको मान-सम्मान मिलेगा। पिता, दादा का रुतवा बढ़ेगा और उनका नाम रोशन होगा। नशों से दूर रहेंगे, सबके साथ अच्छा व्यवहार करेंगे। गुरु-साधू की सेवा करेंगे, सरकारी विभाग या शासन द्वारा भी आपको लाभ मिल सकता हैं।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बिना मेहनत का माल, गिफ्ट या दान न लेवें।
2. किस्मत पर भरोसा रखना शुभ रहेगा।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 10 में शुभ हैं जिसकी वजह से आपकी इस वर्ष कामशक्ति की अधिकता होगी। पत्नी के साथ रहते कभी कोई दुर्घटना नहीं होगी और आपको किसी प्रकार का दुःख नहीं झेलना पड़ेगा। पत्नी का स्वास्थ्य लगभग ठीक रहेगा। आपमें लोभ और शक करने की भावना बढ़ सकती है। दस्तकारी के कामों से अधिक लाभ होगा।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. शराब-बीयर न पियें, मछली न खावें।
2. आशिक मिजाज न बनें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 12 में शुभ है जिसकी वजह से आपका इस वर्ष धन व्यय अधिक होगा और वह भी परिवार के शुभ कामों पर, सरकारी विभाग और मुकददमें में जीत होगी। आपको रात्रि का पूरा आराम मिलेगा। साधना या अध्यात्म में आपकी रूचि रहेगी तो वह आपको हानिकारक हो सकती है। शराब पीना, मांस-मछली खाना आपके लिये हानिकारक है।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें और अनैतिक संबंध न रखें।
2. दूसरों के माल पर नजर न रखें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 7 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष बिजली या पुलिस विभाग से संबंधित कामों में हानि का भय, ट्रांसपोर्ट का काम करने से हानि या आयु शक्की हो सकती है। साझेदारों से झगड़ा। कारोबार में उथल-पुथल भी हो सकती है। पत्नी को सिर दर्द का रोग हो सकता है। पत्नी से तनाव या पत्नी से जुदाई भी हो सकती है।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. नारियल का दान करें।
2. शुद्ध चांदी की दो ईंटे घर में कायम करें।
3. प्लास्टिक की डिब्बी में शुद्ध चांदी का चौरस टुकड़ा रख कर गंगा जल भर कर रखें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष तरक्की का योग है। मगर तबदीली का योग कम ही है। यात्रा के आदेश पत्र के बावजूद यात्रा न होगी या बीच में छोड़ कर वापिस आना पड़ेगा। पिता-गुरु की सेवा में रूचि रहेगी। परिवार में किसी स्त्री के संतान पैदा होने का योग हो तो उसे पुत्र लाभ हो सकता है।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बकरी न पालें और बकरी की सेवा न करें।
2. गली के आखिर के मकान में रिहाइश न करें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

• 43 दिन सिर पर सफेद-शरबती टोपी/पगड़ी/रूमाल/स्कार्फ से ढाप कर रखें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)